

इलाहाबाद विकास प्राधिकरण

१५८

(१४)

गृह निर्माणार्थ अनुमति-पत्र

यह अनुमति केवल उत्तर नगर नियोजन तथा विकास अधिनियम 1973 की धारा 14 व 15 के अन्तर्गत दी जाती है, किन्तु अर्थ यह न रागड़ना चाहिये कि उस भूमि के सम्बन्ध में जिस पर मकान बने इससे लिए गए प्रकार या किसी रक्षानीश्वर निकाय या इसका स्थानीय अधिकारी या व्यक्ति अथवा फर्म के मालिकाना अधिकारी पर किसी का कोई असर पहुँचा जायेगा अर्थात् यह अनुमति किसी के गिलियत या स्वामिल हो अधिकारी के विज्ञप्ति कोई प्रभाव न रखेगी।

**निम्नलिखित प्रतिबन्धों के आधार पर अनुमति दी जाती है कि श्रीमती/श्री पवन लम्भा अद्वैत
अवामी नियोजन विकास प्राधिकरण का नाम श्री महेश्वर २०/ अद्वैत
स्थल लोहा नगर नं २५, २६ ए लूकट रोड इलाहाबाद इलाहाबाद। जांग संख्या ()**

में नक्शे में दर्शित स्थान पर जो प्रार्थना-पत्र के साथ प्रस्तुत किये गये हैं, सचिव के विनियुक्त भवन विक्री के अनुसार निर्माण अधार सूचना निर्माण करें।



संयुक्त सचिव/प्रबोध-गवन
इलाहाबाद विकास प्राधिकरण,
इलाहाबाद।

नोट :-

1. यह रपीकृत पत्र केवल पौँछ यर्ज के लिए है। यदि भवन का निर्माण स्वीकृत मानविक के अनुसार नहीं किया जाता है तो उसे निरवाया जा सकता है। जिसला पूर्ण व्यय भार प्रार्थी पर रहेगा। यदि कोई इमारत विना सचिव विकास प्राधिकरण की अनुमति प्राप्त किए निर्माणित अथवा पुनः निर्माणित होंगी तो उसके निर्माणकारी को दण्ड नियम जायेगा अथवा इस प्रकार की यह अधिनियम की धारा 27 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा तथा सचिव विकास प्राधिकरण हासा हटाया दिया जायेगा और उसके उठाने के खर्च का भार उस इमारत बनाने वाले से १० प्रतिशत संबंध शुल्क के साथ दसूल किया जायेगा।
2. इह अनुमति-पत्र में सड़क, गली या नली पर बढ़ा कर प्रोजेक्शन जैसे कि पोटिलो, गारजा, तोड़ा, तीव्री, द्वाप नये अथवा पुराने निर्माण को तोड़कर उस जगह पिर से नये निर्माण की रवैकृति चाहे उसके साथ नक्शे में दियाएँ भी हों, नहीं प्रदान की जायेगी।
3. मकान निर्माण से यदि नाली के सड़क की पटरी अथवा सड़क या नाली के किसी भाग (जो मकान के अगामार्द अथवा उसके आकार के कारण ढक गई हो) को हानि पहुँचे तो गृहस्थानी तैयार हो जाने पर १५ दिन के भीतर अथवा धरि विकास प्राधिकरण ने एक लिखित सूचना हासा और शीघ्र कहा तो पहले ही उसे आगे खें तो मरम्मत कराकर पूर्णपूर्ण अवरथा जिरारो विकास प्राधिकरण को सन्तोष हो जाय, मैं कर देगा।
4. यह निर्माण के समय इमारत भी ध्यान रखना होगा जिसे राजीव दिव्यान 1956 (इमिड्यन इलेक्ट्रिसिटी रूल्स 1965) नियम ८२ का उल्लंघन किसी भी दशा में न होना चाहिए। यदि विकास प्राधिकरण की जांकारी में ऐसे भावले पाये गये तो वह ऐसे निर्माण को रोक अथवा हटाया सकता है।
5. प्रार्थी को नियमानुसार विकास प्राधिकरण को मकान की नींव तक तथा छत तक इन जाने एवं उसके पूर्ण हो जाने की सूचना मकान अवाद होने से पूर्व देना होगा तथा उस आदमी का नाम भी देना होगा जिसके निरीक्षण में मकान निर्मित हुआ है।
6. यदि निर्माण में माल्टर लाग का उल्लंघन होता पाया गया तो निर्माणकर्ता को दी गई स्वीकृति रद समझे जायेगी और किया गया निर्माण अनविकृत घोषित कर उक्त अधिनियम की धारा 27 (1) के अन्तर्गत कार्यवाही आरम्भ की जायेगी।

*Received
Date / Month / Year
Signature*





